Annexure-I

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
FORMAT FOR SUBMISSION OF PROPOSAL FOR
MINOR RESEARCH PROJECT

PART – A

1. Broad Subject:	Hindi
2. Area of Specialization:	संजीव का उपन्यास साहित्य
3. Duration:	One and Half Year
4. Principal Investigator	
i. Name:	Dr.S.A.Ghorpade
ii. Sex:	Male
iii. Date of Birth:	27 Jan. 1982
iv. Category:	SC
iv. Qualification:	M.A., B.Ed., NET, Ph.D.
v. Designation:	Assistant Professor
vi. Address:	
Office:	Mauli Mahavidyalaya ,Wadala, Tal. North Solapur, Dist.Solapur. Pin Code.413222. Phone: 0217-2246530
Residence:	At. Post.Wadala, Tal. North Solapur, Dist. Solapur. Pin Code.413222
Email:	satishghorpade09@gmail.com
Phone:	09011664309

5. Name of the Institution where the project will be undertaken:	
(a) Department:	Hindi
(b) College:	Mauli Mahavidyalaya Wadala,
(c)Affiliating University:	Solapur University,Solapur.
(d) Whether the institute is located in Rural / backward area:	Rural

6. Whether the College is approved under Section 2 (f) and 12 B of the UGC Act ?	Yes
7. Teaching and Research Experience of Principal Investigator:	
(a) Teaching experience:	UG 07 Years PG 02 Years
(b) Research experience:	---
(c) Publication:	
Papers Published:	
Accepted:	08
Communicated:	04
Books Published:	---
Accepted:	---
Communicated:	---

(Enclose the list of papers and books published and/or accepted during last five years)

PART – B

Proposed Research Work

8. (I) Project Title (शिर्षक): संजीव के 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित वन्यजीवन ः स्वरूप एवं समस्याएँ

(II) Introduction (प्रस्तावना) : हिंदी सहित्य में सन.१९८० से दलित आदिवासी विमर्श दिखाई दे रहा हैं | सदियों से उपेक्षित इस वर्ग की त्रासदी एवं विडंबना का चित्रण हिंदी साहित्य में मिलता है जिसमें अपने अस्तित्व एवं अस्मिता की छटपटाहट भी दिखाई देती है | हिंदी साहित्यकार चरित्र नायक के माध्यम से इसी छटपटाहट को व्यक्त कर तत्कालीन परिस्थितियों का वास्तव चित्रण करता हैं | ऐसे लेखकों में संजीव का नाम शिर्ष स्थान पर है | संजीव के अब तक धार, सावधान निचे आग है, किशनगढ के अहेरी, पॉव तले की दूब तथा जंगल जहॉ शुरू होता है आदि उपन्यासों के साथ साथ ऑपरेशन जोनाकी, प्रेरणास्त्रोत, टीस, तीस साल का सफरनामा, अपराध आदि कहानियॉ चर्चित रही हैं |

संजीव ने अपने कहानी और उपन्यास साहित्य में मुख्यत: आदिवासी जन जातीयों की समस्याएँ एवं त्रासदीयों को चित्रित कर विकास की मुख्य धारा से कोसो दूर इस उपेक्षित वर्ग की मूल समस्याओं को अपने साहित्य के माध्यम से पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत किया है | संजीव केवल आदिवासीयों की समस्याओं का वर्णन नहीं करते बल्कि इन समस्याओं का निवारण करने के उपाय भी बताते हैं | उनके प्रत्येक कहानी या उपन्यास का नायक विद्रोही भूमिका अपनाता है न कि नक्सलवादी | इस दृष्टि से भी संजीव का साहित्य अनुठा है |

संजीव के 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास का पात्र मुख्य रूप से जंगल ही है | इस उपन्यास की कथाभूमी पश्चिमी चंपारण क्षेत्र है जिसे मिनी चंबल भी कहा जाता है | यह जंगल रात में खूंखार और रहस्यमय हो जाता है तो दिन के उजाले में मासूम और उजला | उपन्यास की कथावस्तु पुलीस अधिकारी कुमार से शुरू होती है जिसमें आगे चलकर मलारी, राजनेता, मास्टर मुरली पांडे, काली आदि महत्वपूर्ण पात्रों के माध्यम से और अधिक रोचक हो जाती है | उपन्यास की भाषा अपने उद्देश्य को सफल बनाने में सहाय्यक सिद्ध हुई है |

प्रस्तुत संशोधन के माध्यम से संजीव के 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित वन्यजीवन के साथ साथ आदिवासी जनजातीयों की त्रासदीयों का अनुशिलन किया जाएगा |

(III) Objectives (उद्देश्य): प्रस्तुत अनुसंधान के निम्नलिखित उद्देश्य होगे जिनके माध्यम से अध्ययन किया जाएगा ...

१. 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित जंगल संस्कृति का अध्ययन करना |

२. पर्यावरणीय दृष्टि से जंगल का महत्व स्पष्ट करना |

३. उपन्यास में चित्रित आदिवासी जन जातीयों का विश्लेषण करना |

४. उपन्यास में चित्रित जंगल तथा आदिवासीयों का आपसी अंत: संबंध स्पष्ट करना |

५. उपन्यास के माध्यम से जंगल संस्कृति तथा आदिवासी जन जातीयों के संवर्धन एवं उनके विकास की रूपरेखा स्पष्ट करना |

६. आदिवासीयों की समस्याओं को अधोरेखित करना |

७. आदिवासीयों की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करना |

८. उपन्यास में चित्रित जंगल आदिवासी और प्रशासन के त्रिकोण पर चर्चा करना |

९. इस त्रिकोण के आपसी संबंध को सुधारणे हेतु उपायों को प्रस्तुत करना |

(IV) Significance (अनुसंधान का महत्व)

प्रस्तुत अनुसंधान में संजीव के 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास के माध्यम से हिंदी साहित्य में चित्रित आदिवासी विमर्श का अध्ययन किया जाएगा | इस अनुसंधान के माध्यम से भारतीय आदिवासी जन जातीयों का अध्ययन कर उनकी मूल समस्याओं का विश्लेषण किया जाएगा | जिससे हिंदी साहित्य में चित्रित आदिवासी जीवन और वास्तव में आदिवासी जीवन इनकी तुलना की जा सकती है | जिसके माध्यम से आदिवासीयों की समस्याओं को दूर करने हेतु सरकार व्दारा जो विभिन्न योजनाएँ बानाई जाती है उनमें बदलाव भी लाया जा सकता है | आदिवासीयों की उन्नती के लिए रोजगार के विभिन्न संसाधनों का निर्माण किया जा सकता है | ऐसा करने से जंगल , जंगल संस्कृति और प्रशासन इनमें समन्वय प्राप्त हो सके | इस दृष्टि से यह अनुसंधान महत्वपूर्ण है और साथ ही आनेवाले समय में जो छात्र इस विषय पर अध्ययन करते है तो उन्हें भी यह अनुसंधान उपयोगी सिध्द होगा |

(V) Methodology (अनुसंधान पध्दति): प्रस्तुत अनुसंधान का निम्नलिखित अनुसंधान पध्दतियों के माध्यम से अध्ययन किया जाएगा-

वर्णनात्मक, विवरणात्मक, विवेचनात्मक, विश्लेषणात्मक, समिक्षात्मक, ऐतिहासिक तथा समाजशास्त्रिय आदि |

(VI) Chapter Scheme) अनुसंधान की अध्याय योजना

प्रस्तुत अनुसंधान को निम्नलिखित अध्यायों में विभाजित कर अनुसंधान किया जाएगा -

१. प्रथम अध्याय: संजीव - व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इस अध्याय में संजीव का संक्षेप में जीवन परिचय देकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट किया जाएगा |

२. व्दितीय अध्याय: 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास की पृष्ठभूमि एवं कथावस्तु

इस अध्याय में 'जंगल जहॉ शुरू होता है' उपन्यास की पृष्ठभूमी का अध्ययन कर कथावस्तु को स्पष्ट किया जाएगा |

३ . तृतीय अध्याय: जंगल संस्कृति आदिवासी जन जीवन तथा प्रशासनिक अधिकारी

इस अध्याय में 'जंगल जहाँ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित जंगल संस्कृति आदिवासी जनजीवन तथा प्रशासनिक अधिकारियों का अध्ययन किया जाएगा |

४ . चतुर्थ अध्याय: 'जंगल जहाँ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित समस्याओं का विश्लेषण एवं समाधान

इस अध्याय में 'जंगल जहाँ शुरू होता है' उपन्यास में चित्रित समस्याओं का विश्लेषण कर उनका समाधान करने की दृष्टि से अध्ययन किया जाएगा |

५ . पंचम अध्याय: चरित्र चित्रण कला एवं भाषा शैली

इस अध्याय में 'जंगल जहाँ शुरू होता है' उपन्यास का औपन्यासिक साहित्य कृति की दृष्टि से अध्ययन कर चरित्र चित्रण एवं भाषा शैली का अध्ययन किया जाएगा |

उपसंहार ः उपसंहार में समस्त अनुसंधान के निष्कर्ष तथा उपयोगीता पर चर्चा की जाएगी |

(Reference) संदर्भ ग्रंथ सूची

१ . जंगल जहाँ शुरू होता है- संजीव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

२ . कथाकार संजीव- संपादक डॉ . गिरीश काशिद, शिल्पायन दिल्ली

३ . संजीव: जनधर्मी कथाशिल्पी- संपादक डॉ . गिरीश काशिद, डॉ . जयश्री शिंदे

४ . आदिवासी लोक- संपादिका रमणिका गुप्ता, शिल्पायन, दिल्ली

५ . पहल- पुस्तिका (कथा-समय-दो) संपादक ज्ञानरंजन, जबलपुर

६ . भारतीय लेखक- अप्रैल-जून २००७, (विशिष्ट लेखक संजीव) नोएडा

७ . सामाजीक यथार्थ और कथाकार संजीव- डॉ . शहाजहान मणोर, श्रृति पब्लिकेशन जयपुर

८ . दस्तक- संपादक राघव आलोक, जनवरी-मार्च २००४, (आदिवासी विशेषांक)

९ . युध्दरत आम अदमी- संपादिका रमणिका गुप्ता, (आदिवासी विशेषांक)

(VII) Year-wise Plan of work and targets to be achieved.

First Year (12 Months)- Field work , Data collection and 1^{st} and 2^{nd} chapter writing.

Second Year (06 Months)- 3^{rd} and 4^{th} chapter writing, D.T.P. and other works.

9. Financial Assistance required

Item	**Estimated Expenditure**
i. Books and Journals	30,000/-
ii. Equipment, if needed	50,000/-
iii. Field Work and Travel	40,000/-
iv. Chemicals and glassware	------
v. Contingency (including special needs)	50,000/-
vi. Hiring Services	30,000/-

Grand Total:	**2,00,000/-**

(In Words: Two Lac Only.)

10. Whether the teacher has received support for the research project from the UGC under Major, Minor or from any other agency ? If so, please indicate: No

i. Name of the agency from which the assistance was approved. N.A.

ii. Sanction letter No. and date under which the assistance was approved. N.A.

iii. Amount approved and utilized. N.A.

iv. Title of the project for which assistance was approved. N.A.

v. In case the project was completed, whether the work on the project has been published. N.A.

vi. If the candidate was working for the doctoral degree, whether the thesis was submitted and accepted by the University for the award of degree. Yes (Summary Attached)

vii. If the project has not been completed, please state the reasons.

11. (a) Details of the UGC project/scheme completed or ongoing. N. A.

12. Any other information which the teacher may like to give in support of this proposal:

Since I have completed Doctoral Degree, I have the experience of research. I want to carry out the research on this particular topic to benefit the research scholars, students and society.